इकाई-II

7. कैदी और कोकिला

रचनाकार

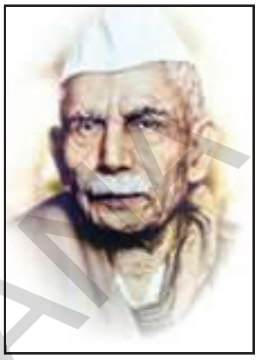

माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म मध्य प्रदेश के होशंगाबाद ज़िले के बाबई गाँव में सन् 1889 में हुआ। मात्र 16 वर्ष की अवस्था में वे शिक्षक बने। बाद में अध्यापन कार्य छोड़कर उन्होंने **प्रभा** पत्रिका का संपादन शुरू किया। वे देशभक्त कवि एवं प्रखर पत्रकार थे। उन्होंने **कर्मवीर** और **प्रताप** का भी संपादन किया। सन् 1968 में उनका देहांत हो गया।

हिम किरीटनी, साहित्य देवता, हिम तरंगिणी, वेणु लो गूँजे धरा उनकी प्रमुख कृतियाँ हैं। उन्हें पद्मभूषण एवं साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

माखनलाल चतुर्वेदी की रचनाएँ राष्ट्रीय भावना से युक्त हैं। उनमें स्वतंत्रता की चेतना के साथ देश के लिए त्याग और बलिदान की भावना मिलती है। इसीलिए उन्हें **एक भारतीय आत्मा** कहा जाता है। इस उपनाम से उन्होंने कविताएँ भी लिखी हैं। वे एक कवि-कार्यकर्ता थे और स्वाधीनता आंदोलन के दौरान कई बार जेल गए। उन्होंने भक्ति, प्रेम और प्रकृति संबंधी कविताएँ भी लिखी हैं।

चतुर्वेदी जी कविता में शिल्प की तुलना में भाव को अधिक महत्व देते हैं। उन्होंने परंपरागत छंदबद्धता एवं तत्सम शब्दावली के स्थान पर बोलचाल की भाषा के साथ-साथ उर्दू, फ़ारसी के शब्दों का भी प्रयोग किया है।

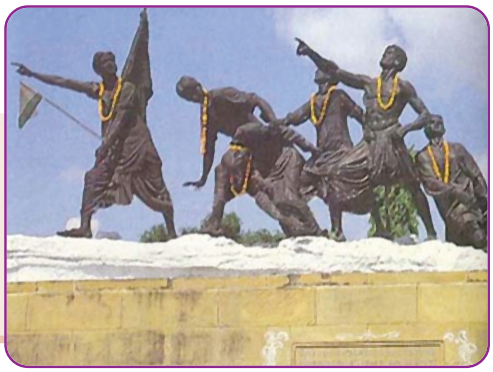

प्रस्तावना प्रसंग

वह खून कहो किस मतलब का, जिसमें उबाल का नाम नहीं।
वह खून कहो किस मतलब का, आ सके देश के काम नहीं।
वह खून कहो किस मतलब का, जिसमें जीवन न रवानी है।
जो परवश होकर बहता है, वह खून नहीं है पानी है।

प्रश्न

1. 'वह खून कहो किस मतलब का, आ सके देश के काम नहीं।' भाव स्पष्ट कीजिए।
2. परवश होकर बहनेवाले खून को कवि ने पानी क्यों कहा है?
3. इस कविता से आपको क्या संदेश मिलता है?

भूमिका

ब्रितानी उपनिवेशवाद के शोषण तंत्र का बारीक विश्लेषण करती **कैदी और कोकिला** कविता बहुत लोकप्रिय रही है। यह कविता भारतीय स्वाधीनता सेनानियों के साथ जेल में किए गए दुर्व्यवहारों और यातनाओं का मार्मिक साक्ष्य प्रस्तुत करती है।

कवि जेल में एकाकी और उदास है। कोकिल से अपने मन का दुख, असंतोष और ब्रितानी शासन के प्रति अपने आक्रोश को व्यक्त करते हुए वह कहता है कि यह समय मधुर गीत गाने का नहीं बल्कि मुक्ति का गीत सुनाने का है। कवि को लगता है कि कोयल भी पूरे देश को कारागार के रूप में देखने लगी है इसलिए अर्द्धरात्रि में चीख उठी है।

SCERT TELANGANA

क्या गाती हो?
क्यों रह-रह जाती हो?
कोकिल बोलो तो!
क्या लाती हो?
संदेशा किसका है?
कोकिल बोलो तो!

ऊँची काली दीवारों के घेरे में,
डाकू, चोरों, बटमारों के डेरे में,
जीने को देते नहीं पेट-भर खाना,
मरने भी देते नहीं, तड़प रह जाना
जीवन पर अब दिन-रात कड़ा पहरा है,
शासन है, या तम का प्रभाव गहरा है?
हिमकर निराश कर चला रात भी काली,
इस समय कालिमामयी जगी क्यूँ आली?

क्यों हूक पड़ी?
वेदना बोझ वाली-सी,
कोकिल बोलो तो!
क्या लूटा?
मृदुल वैभव की
रखवाली-सी,
कोकिल बोलो तो!

क्या हुई बावली?
अर्द्धरात्रि को चीखी,
कोकिल बोलो तो!
किस दावानल की
ज्वालाएँ हैं दीखीं?
कोकिल बोलो तो!

SCERT TELANGANA

क्या?-देख न सकती ज़ंजीरों का गहना?
हथकड़ियाँ क्यों? यह ब्रिटिश-राज का गहना,
कोल्हू का चर्रक चूँ?-जीवन की तान,
गिट्टी पर अँगुलियों ने लिखे गान!
हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ,
खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कूँआ।
दिन में करुणा क्यों जगे, रुलानेवाली,
इसलिए रात में ग़ज़ब ढा रही आली?

इस शांत समय में,
अंधकार को बेध, रो रही क्यों हो?
कोकिल बोलो तो!
चुपचाप, मधुर विद्रोह-बीज
इस भाँति बो रही क्यों हो?
कोकिल बोलो तो!

काली तू, रजनी भी काली,
शासन की करनी भी काली,
काली लहर कल्पना काली,

SCERT TELANGANA

मेरी काल कोठरी काली,
टोपी काली, कमली काली,
मेरी लौह-श्रृंखला काली,
पहरे की हुंकृति की ब्याली,
तिस पर है गाली, ऐ आली!

इस काले संकट-सागर पर
मरने की, मदमाती!
कोकिल बोलो तो!
अपने चमकीले गीतों को
क्योंकर हो तैराती!
कोकिल बोलो तो!

तुझे मिली हरियाली डाली,
मुझे नसीब कोठरी काली!
तेरा नभ-भर में संचार
मेरा दस फुट का संसार!
तेरे गीत कहावें वाह,
रोना भी है मुझे गुनाह!
देख विषमता तेरी-मेरी
बजा रही तिस पर रणभेरी!

इस हुंकृति पर,
अपनी कृति से और कहो क्या कर दूँ?
कोकिल बोलो तो!
मोहन के व्रत पर,
प्राणों का आसव किसमें भर दूँ!
कोकिल बोलो तो!

SCERT TELANGANA

प्रश्न–अभ्यास

अर्थग्राह्यता–प्रतिक्रिया

❖ विचार–विमर्श

1. इस कविता में स्वतंत्रता सेनानियों की विचारधारा का अद्भुत चित्रण हुआ है। अनुमान लगाइए कि उस समय भारत देश में किस प्रकार का माहौल रहा होगा?
2. भारत की आज़ादी के लिए अनेक लोगों ने त्याग और बलिदान दिया। अपना सर्वस्व देश के लिए न्यौछावर कर दिया। आज हम स्वतंत्र हैं। स्वतंत्रता के स्थायित्व के लिए हम क्या योगदान दे सकते हैं?

❖ पढ़ना, भाव समझना और भाव विस्तार

क. पाठ में उत्तर ढूँढ़िए।

1. कोयल की कूक सुनकर कवि की क्या प्रतिक्रिया हुई?
2. कविता में तुम्हें कौनसी पंक्तियाँ अच्छी लगीं और क्यों?
3. कवि ने कोकिल के बोलने के किन कारणों की संभावना बतायी?
4. कवि ने अँग्रेज़ी शासन की तुलना तम के प्रभाव से क्यों की है?

ख. पाठ समझकर उत्तर दीजिए।

1. भाव स्पष्ट कीजिए।

   क. मृदुल वैभव की रखवाली–सी, कोकिल बोलो तो!

   ख. हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ, खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कूँआ।

   ग. चुपचाप मधुर विद्रोह–बीज, इस भाँति बो रही क्यों हो?
2. अर्द्धरात्रि में कोयल की चीख से कवि को क्या अंदेशा है?
3. कवि को कोयल से ईर्ष्या क्यों हो रही है?
4. हथकड़ियों को गहना क्यों कहा गया है?
5. "काली तू ..... ऐ आली!" – इन पंक्तियों में **काली** शब्द की आवृत्ति से उत्पन्न चमत्कार का विवेचन कीजिए।

SCERT TELANGANA

ग. पढ़ने की योग्यता का विस्तार

कविता पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

था उचित कि गाँधीजी की निर्मम हत्या पर
तारे छिप जाते, काला हो जाता अंबर
केवल कलंक अवशिष्ट चंद्रमा रह जाता
कुछ और नज़ारा था जब ऊपर गई नज़र
अंबर में एक प्रतीक्षा का कौतूहल था
तारों का आनन पहले से भी उज्ज्वल था
वे पंथ किसी का जैसे ज्योतित करते हों
नभबात किसी के स्वागत में चिरचंचल था
उस महाशोक में भी मन में अभिमान था
धरती के ऊपर कुछ ऐसा बलिदान हुआ
प्रतिफलित हुआ धरती के तप से कुछ ऐसा
जिसका अमरों के आंगन में सम्मान हुआ।

1. इस कविता का उचित शीर्षक दीजिए।
2. आकाश में खुशनुमा माहौल क्यों था?
3. अमरों के आँगन से क्या अभिप्राय है?
4. लेखक को महाशोक में भी अभिमान क्यों हुआ?

अभिव्यक्ति और सृजनात्मकता

❖ स्वाभिव्यक्ति

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच वाक्यों में लिखिए।

1. आपके विचार में स्वतंत्रता सेनानियों और तत्कालीन अपराधियों के साथ अँग्रेज़ सरकार एक-सा व्यवहार क्यों करती थी?

SCERT TELANGANA

2. कवि चाहता तो दीवारों से भी बातें कर सकता था। उसने इस कविता को कहने के लिए कोयल को माध्यम क्यों बनाया होगा?
3. स्वतंत्रता सेनानी स्वतंत्रता से अत्यंत प्रेम करते थे, लेकिन वे हँसते-हँसते जेल भी जाते थे। इसका क्या कारण रहा होगा?
4. अनुमान लगाइए कि जेल में बंद कैदियों की दिनचर्या कैसी रहती होगी?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ-दस वाक्यों में लिखिए।

1. कवि के स्मृति पटल पर कोयल के गीतों की कौन सी मधुर स्मृतियाँ अंकित हैं?
2. कैदी और कोकिला कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

❖ सृजनात्मक कार्य

देश की स्वतंत्रता एवं अखंडता को बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हुए पाँच नारे लिखिए।

❖ प्रशंसा

महात्मा गाँधी का मानना था कि पाप से घृणा करो, पापी से नहीं। इस विचार के अनुसार अपराधियों को सुधारने की ज़िम्मेदारी भी समाज की ही है। इसके लिए क्या किया जाना चाहिए?

भाषा की बात

1. कविता पढ़िए। कविता के भाव के आधार पर निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए। इनसे एक-एक नए वाक्य बनाइए।

   हिमकर, मृदुल, दावानल, श्रृंखला, नसीब, विषमता
2. **काल कोठरी काली,** कवि ने इस प्रकार के ध्वन्यात्मक आवृत्ति वाले शब्दों का प्रयोग किया है। इससे भाषा का सौंदर्य बढ़ता है। कविता पढ़िए। इस प्रकार के शब्द समूह लिखिए।

परियोजना कार्य

किन्हीं दो स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में जानकारी एकत्र कीजिए और लिखिए जिनमें एक महिला तथा एक पुरुष हों।

SCERT TELANGANA